कैसे तुम्हे मनाऊँ | By Anamika Sharma

क्यों मुझसे तुम खफा हो कैसे तुम्हे मनाऊँ
रो रो के मेरे सांवरे दिल का हाल सुनाऊँ
क्यों मुझसे तुम खफा हो .....

मेरे अपनों ने ही छीना दिल का सुकून मेरे
कितने हैं घाव दिल में देखो तो श्याम मेरे
कैसे इन्हे दिखाऊं किसको मैं ये बताऊँ
कैसे इन्हे छिपाऊं किसको मैं ये बताऊँ

जब जब किया भरोसा आशा ही दिल की टूटी
कैसे तुम्हे दिखाऊं टूटी जो दिल की डोरी
बिखरे जो दिल के टुकड़े कैसे मैं जोड़ पाऊं

बड़े शोक से रुलाया हँसता हुआ ये चेहरा
तू ही मुझे हंसा दे है ऐतबार तेरा
रोते हुए इस दिल को कैसे मैं अब हंसाऊं

टुटा जो दिल शिखा का तू ही उसे संभाले
चरणों से अब उठाकर मुझको गले लगा ले
दुनिया को छोड़ कर मैं तुमको ही जीत जाऊं

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a5%88%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%a4%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a5%87-%e0%a4%ae%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%8a%e0%a4%81-by-anamika-sharma/